

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र ने 'इंटरडिसिप्लिनरी
फाउंडेशन ऑफ डिप्लोमा इन फॉर्मेशन' पर किया एक व्याख्यान आयोजित**

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र (सीएसएसआई) ने नॉर्म चोम्स्की कॉम्प्लेक्स के कमरा नं. 107 में "इंटरडिसिप्लिनरी फाउंडेशन ऑफ डिप्लोमा इन फॉर्मेशन: द कन्सर्न्स ऑफ इंडियन पोलिटिकल साइन्स (1920-1940)" विषय पर एक विस्तार व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।

इस सत्र के विशिष्ट वक्ता प्रो. मैदुल इस्लाम थे, जो कलकत्ता स्थित सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र के एक प्रख्यात विद्वान हैं और जिन्हें राजनीतिक सिद्धांत, भारतीय राजनीति और आलोचनात्मक सामाजिक चिंतन में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है।

अपने व्याख्यान में, प्रो. इस्लाम ने भारत में राजनीति विज्ञान की औपनिवेशिक नींव की जाँच की और इस विषय को आकार देने में शैक्षणिक संस्थानों और प्रमुख विद्वानों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। राजनीतिक प्रक्रियाओं जैसे आधारभूत ग्रंथों का उपयोग करते हुए और नागरिक शास्त्र, सामाजिक अनुबंध सिद्धांत, इस्लामी अध्ययन और 1930 के दशक के संवैधानिक विकास के बीच बौद्धिक अंतर्संबंधों पर विचार करते हुए, उन्होंने एक सम्मोहक ऐतिहासिक और विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया। उनके व्याख्यान में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे औपनिवेशिक ढाँचों ने प्रारंभिक भारतीय राजनीतिक चिंतन को संरचित किया और राजनीति विज्ञान, इतिहास और साहित्य में समृद्ध अंतःविषय संवादों को जन्म दिया।

इस सत्र की अध्यक्षता सीएसएसआई की कार्यवाहक निदेशक प्रो. तनुजा ने की और केंद्र के वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. मुजीबुर रहमान ने इसका संचालन किया। अध्यक्ष के रूप में अपने संबोधन में, प्रो. तनुजा ने राजनीति विज्ञान के अनुशासनात्मक और बौद्धिक इतिहास के साथ प्रो. इस्लाम के विद्वतापूर्ण जुड़ाव की सराहना की और सामाजिक विज्ञानों में अनुशासनात्मक सीमाओं की पुनर्कल्पना के लिए व्याख्यान की प्रासंगिकता पर बल दिया।

डॉ. मुजीबुर रहमान ने वक्ता और प्रतिभागियों की सराहना की और कहा कि इस व्याख्यान ने सीएसएसआई में अंतःविषयता और ज्ञान के सामाजिक निर्माण पर चल रही अकादमिक बातचीत को सार्थक रूप से समृद्ध किया है। प्रो. अरविंद ने भी गहन अवलोकन प्रस्तुत किए, जिससे एक प्रेरक अकादमिक आदान-प्रदान में योगदान मिला। कार्यक्रम का संचालन सीएसएसआई की संकाय सदस्य डॉ. सबा हुसैन ने किया।

व्याख्यान में छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रस्तुति के बाद एक जीवंत चर्चा में भी भाग लिया। सत्र का समापन वक्ता और उपस्थित लोगों के प्रति औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी